मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 87 ■ रविवार, 15 जून 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ से होकर दौड़ेगी मेट्रो

उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर को दो मेट्रो लाइनों के विस्तार से मिलेगा लाभ

बदलापुर. अंबरनाथ, उल्हासनगर और बदलापुर क्षेत्र के नागरिकों को नई मेट्रो सेवा का लाभ मिलेगा। मेट्रो-14 परियोजना का विस्तार किया जाएगा और यह मेट्रो चिखलौली रेलवे स्टेशन से शुरू होकर कल्याण-बदलापुर राज्य राजमार्ग से होते हुए जीएनपी मॉल तक जाएगी। इसके अलावा, मेट्रो-5 को दुर्गाडी नाका से ठाणे-भिवंडी-कल्याण, बिड़ला कॉलेज, शाहद, उल्हासनगर, शांतिनगर, कल्याण बदलापुर रोड से जीएनपी मॉल तक बढ़ाया जाएगा।

इससे इस क्षेत्र के निवासियों को सीधी और तीव्र मेट्रो सेवा उपलब्ध होगी तथा चिखलौली एक प्रमुख परिवहन केन्द्र के रूप में विकसित होगा। इसके साथ ही चिखलौली रेलवे स्टेशन पर रेलवे और मेट्रो सेवाओं को एकीकृत किया जाएगा तथा यहां स्टेशन को आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त तरीके से बनाया जाएगा। सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने

इसके लिए विस्तृत विकास योजना तैयार करने का सुझाव एमएमआरडीए को दे दिया है।

शुक्रवार को एमएमआरडीए मुख्यालय में आयोजित बैठक में इस पर चर्चा की गई। इस बैठक में अंबरनाथ विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, कल्याण ग्रामीण विधायक राजेश मोरे, जिला प्रमुख गोपाल लांडगे सहित एमएमआरडीए आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी, अतिरिक्त आयुक्त विक्रम कुमार, अश्विन मुदगल और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इससे पहले विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने भी इस परियोजना की मांग की थी।

मेट्रो 5 और मेट्रो 14 परियोजनाओं के विस्तारित चरण से कल्याण, अंबरनाथ, उल्हासनगर, शहाड और बदलापुर क्षेत्रों में यातायात की भीड़ कम होगी, यात्रा का समय बचेगा और लोकल ट्रेनों पर दबाव कम होगा। इन दोनों मार्गों के विस्तार से कांजुरमार्ग मेट्रो यात्री उल्हासनगर और भिवंडी होते हुए ठाणे तक यात्रा कर सकेंगे। उल्हासनगर के यात्री चिखलोली स्टेशन से मुंबई की यात्रा कर सकेंगे। इसके अलावा, पर्यावरण अनुकूल मेट्रो से प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। इन परियोजनाओं से स्टेशन क्षेत्र में वाणिज्य, सेवा उद्योग और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। इन मेट्रो परियोजनाओं का उद्देश्य सिर्फ परिवहन में सुधार करना नहीं है, बल्कि एकीकृत शहरी विकास हासिल करना है।

परियोजना की प्रगति और भविष्य

फिलहाल इन दोनों विस्तारित मेट्रो परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है और निविदा प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। चिखलोली रेलवे स्टेशन का काम तेजी से चल रहा है और आने वाले दिनों में यह सेवा नागरिकों को उपलब्ध हो जाएगी। मेट्रो 14 और मेट्रो 5 के विस्तार से अंबरनाथ और उल्हासनगर के नागरिकों के लिए सीधे मुंबई और ठाणे पहुंचना आसान हो जाएगा। ये परियोजनाएं 'एक शहर, एक मेट्रो नेटवर्क' की अवधारणा को वास्तविकता बना देंगी।

अंतिम संस्कार की तैयारी के दौरान जिंदा हो गया शख्स

- उल्हासनगर में डाक्टर ने जिंदा व्यक्ति को मृत घोषित किया
- परिवार को मृत्यु प्रमाण पत्र भी थमा दिया
- जिंदा हुए 65 वर्षीय अभिमन तायड़े
- अस्पताल प्रशासन ने गलती स्वीकारी

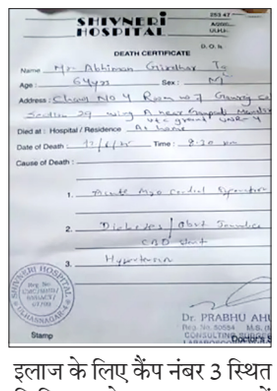

उल्हासनगर. एक बुजुर्ग को डॉक्टरों ने जिंदा रहते हुए मृत घोषित कर दिया. डॉक्टर यहीं नहीं रुके, उन्होंने मरीज के परिवार को उसका मृत्यु प्रमाण पत्र भी थमा दिया. उल्हासनगर 4 स्थित शिवनेरी अस्पताल में यह हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है. अस्पताल प्रशासन ने गलती स्वीकार करते हुए खेद जताया है. हालांकि, इस सबने इस निजी अस्पताल के प्रबंधन पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

उल्हासनगर निवासी 65 वर्षीय अभिमन तायड़े पिछले कुछ दिनों से बीमार थे. घर पर अचानक उनकी हालत बिगड़ गई. इसके बाद उनके परिजन उन्हें रिक्शे में डालकर पास के शिवनेरी स्थित एक निजी अस्पताल ले गए. यहां रिक्शे में जांच के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इतना ही नहीं, अभिमन तायड़े के परिजनों को उनकी मांग के मुताबिक मृत्यु प्रमाण पत्र भी दे दिया गया. घर पर जब अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी, तभी परिजनों ने देखा कि अभिमन तायड़े का दिल धड़क रहा है.

जिसके बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए कैंप नंबर 3 स्थित क्रिटिकल केयर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। क्रिटिकल केयर अस्पताल में इलाज शुरू होने के बाद अभिमान तायडे को जल्द ही बेहतर महसूस हुआ और उन्होंने अपने रिश्तेदारों के साथ भोजन किया। परिजनों ने शिवनेरी अस्पताल के डॉक्टरों और प्रशासन के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की। इससे निजी अस्पताल प्रशासन पर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं और कार्रवाई की मांग उठ रही है। ऐसा कहा जाता है कि शिवनेरी अस्पताल पुराना और विश्वसनीय है तथा अधिकांश राजनीतिक नेता और उनके परिवार यहीं इलाज कराते हैं।

इस बीच, अभिमन तायडे के परिजनों द्वारा शिवनेरी अस्पताल प्रशासन से इस मामले में सवाल पूछे जाने पर उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी है। इस बीच, नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ इस तरह से खिलवाड़ करने के लिए अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग अब जोर पकड़ रही है।

अस्पताल की प्रतिक्रिया...

बुजुर्ग अभिमान तायडे को बेहोशी की हालत में सुबह 8:30 बजे रिक्शा से शिवनेरी अस्पताल लाया गया। रिक्शे में उसकी जांच करने के बाद परिजनों को उसे तुरंत वेंटिलेटर वाले अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। इसके बाद उसके रिश्तेदार अस्पताल आए और अभिमन तायडे का मृत्यु प्रमाण पत्र मांगा। उन पर भरोसा करते हुए, उन्होंने अभिमान तायडे के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया। यह मेरी बड़ी गलती है. मृत्यु प्रमाण पत्र जारी होने के बाद परिजनों ने बताया कि बेहोश मरीज का दूसरे अस्पताल में इलाज चल रहा है।

– डॉ. प्रभु आहूजा, शिवनेरी अस्पताल प्रमुख

अतिक्रमण हटाने मुख्याधिकारी सड़क पर

- अंबरनाथ नगर परिषद की कार्रवाई में सौ से अधिक अतिक्रमण ध्वस्त

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद ने अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान सौ से अधिक अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया। व्यावसायिक दुकानों, स्टॉलों, ठेलों और अनाधिकृत निर्माणों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। इस कारवाई के लिए खुद मुख्यमंत्री उमाकांत गायकवाड़ भी सड़कों पर उतरे थे।

अंबरनाथ नगर परिषद ने सुबह अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। मुख्य अधिकारी उमाकांत गायकवाड़ के आदेश पर चलाए गए इस अभियान को अंबरनाथ नगर परिषद सीमा के अंतर्गत कल्याण-बदलापुर रोड पर लोटस

तालाब क्षेत्र में पार्क और स्विमिंग पूल के लिए आरक्षित भूमि पर अतिक्रमण कर बनाई गई 21 अनधिकृत दुकानों, 20 स्टॉलों और 50 संरचनाओं के खिलाफ कार्रवाई की गई और उन्हें जमींदोज कर दिया गया। यह कार्रवाई दोपहर तक जारी रही। यह कार्रवाई अतिक्रमण विरोधी दस्ते के प्रमुख नरेंद्र संखे और सुनील गावित के साथ ही नगर परिषद के लेखा प्रमुख और अतिक्रमण विरोधी विभाग के 50 कर्मचारियों द्वारा की गई। यह कार्रवाई भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच की गई।

इस अवसर पर मुख्य अधिकारी उमाकांत गायकवाड़, मनपा के नगर नियोजक, बिजली विभाग व अन्य विभागों के अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बालाजी पंधारे उपस्थित थे। इससे पहले मनपा के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने अंबरनाथ के पश्चिमी भाग में साईंबाबा मंदिर से विमको नाका तक के क्षेत्र में 12 अनाधिकृत ठेले और 5 स्टॉल तथा विमको नाका से फॉरेस्ट नाका तक के क्षेत्र में 10 अनाधिकृत ठेले और 9 स्टॉल के खिलाफ कार्रवाई की थी।

अंबरनाथ में दो गुटों में झडप, हथियार से हमला

अंबरनाथ. चार पहिया वाहन को रास्ता देने के विवाद को लेकर दो गुटों में जोरदार झड़प हो गई है. घटना शुक्रवार देर शाम की है, शहर पूर्व परिसर स्थित बरकूपाड़ा इलाके में इस घटना से तनावपूर्ण माहौल बन गया है.

इसी इलाके के पूर्व नगरसेवक की बेटी अबोली भोईर और स्थानीय निवासी महेश राजपूत के बीच चार पहिया वाहन को रास्ता देने के कारण पर बहस हुई. जिसके बाद स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप के बाद युवती मौके से चली गई. हालांकि कुछ देर बाद चार से पांच युवक हाथों में तलवार और कुल्हाड़ी लेकर मौके पर आ गए. इस समय विवाद करने वाले युवक का भाई मंगेश वहां मौजूद था और हथियार लिए युवकों से उसे पीटना शुरू कर दिया, साथ ही तलवार से डराकर आतंक भी मचाया. विवाद को सुलझाने आए राजा घोरपड़े के चेहरे पर भी हमलावरों ने चाकू से वार किया.

उल्हासनगर में 43 बड़े नालों की सफाई

- 75 प्रतिशत नालों की सफाई का मनपा का दावा

उल्हासनगर. मानसून के दौरान उल्हासनगर शहर में बाढ़ के खतरे को रोकने के लिए, इस वर्ष मनपा ने युद्ध स्तर पर नाला सफाई अभियान शुरू किया है। 'इस वर्ष बाढ़ से बचने' के संकल्प के साथ 10 मई से यह अभियान चलाया जा रहा है और शहर के 43 बड़े नालों और छोटे सीवरों की सफाई की जा रही है। इसके लिए 11,500 मजदूरों की टीम सड़कों पर तैनात की गई है तथा चार जेसीबी, पोकलेन मशीनों सहित आधुनिक मशीनरी का उपयोग कर यह अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम प्रशासन ने दावा किया है कि अब तक 75 प्रतिशत नाले की सफाई पूरी हो चुकी है।

उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के आदेशानुसार अतिरिक्त आयुक्त डॉ. किशोर गवस और उपायुक्त विशाखा मोटघरे के मार्गदर्शन में नाला सफाई अभियान तत्काल कार्यान्वित किया जा रहा है। मुख्य स्वच्छता निरीक्षक विनोद केने, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी मनीष हिवारे, एकनाथ पवार और अन्य अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रत्यक्ष रूप से मौजूद रहे हैं और नालियों में जमा गाद, कचरा और रुकावटों को हटाने का काम किया है।

विनोद केने ने विश्वास व्यक्त किया है कि योजनाबद्ध दृष्टिकोण से वांछित परिणाम प्राप्त होंगे। हालांकि प्रशासन ने नालों की सफाई का कार्य बड़ी तैयारी के साथ किया है, लेकिन यह अभियान तभी सफल हो सकता है जब नागरिक भी सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फैलाकर स्वच्छता में अपनी भागीदारी निभाएं। स्थानीय गैर सरकारी संगठनों, बोर्डों और नागरिकों को प्रशासन के प्रयासों को मजबूत करने के लिए पहल करने की आवश्यकता है। इस वर्ष उल्हासनगर महानगरपालिका ने मानसून पूर्व नाला सफाई को महज औपचारिकता नहीं माना है, बल्कि इसे बाढ़ रोकने की जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार किया है।

11,500 दिहाड़ी मजदूर कर रहे सफाई

शहर के छोटे नाले भी बारिश के रास्ते में बाधा उत्पन्न करते हैं। इसकी सफाई के लिए मनपा ने 11,500 दिहाड़ी मजदूरों को काम पर रखा है, जो विभिन्न वार्डों में नालियों और सीवरों की सफाई कर रहे हैं। यह प्रक्रिया जलभराव, स्वास्थ्य समस्याओं और दुर्गंध को नियंत्रित करने का एक प्रयास है।

खतरनाक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान

उल्हासनगर में कैंप 1 से 3 तक गहरी घाटियाँ हैं और हर बारिश में यहाँ भारी मात्रा में पानी जमा हो जाता है। इसके अलावा पश्चिम की ओर बहने वाली वालधुनी नदी भी बाढ़ का एक प्रमुख कारण है। इसलिए प्रशासन ने इन क्षेत्रों में नालों की सफाई तेज गति से करने के लिए विशेष योजना बनाई है।

मनपा नगर रचना विभाग को मिला ISO प्रमाण पत्र

- ललित खोब्रागड़े की रही बड़ी भूमिका

उल्हासनगर. 100 दिवसीय कार्ययोजना में कार्यालय का कायापलट करने के बाद सर्वेक्षण करने आई सरकारी समिति से प्रशंसा प्राप्त करने वाले उल्हासनगर मनपा के शहरी नियोजन विभाग को आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। प्रमाण पत्र प्राप्त करने में बड़ी भूमिका निभाने वाले सहायक निदेशक शहरी नियोजन ललित खोब्रागड़े और उनकी टीम को महासभा हॉल में मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले ने सम्मानित किया।

शहरी नियोजन विभाग के काम में तेजी लाने के लिए सहायक निदेशक शहरी नियोजन ललित खोब्रागड़े को पिछली विकास योजना को समझने में कठिनाई हो रही थी। इसे दूर करने के लिए विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया

गया। इसके परिणामस्वरूप शहर के सर्वेक्षण और विकास योजना की सीटों को संरेखित किया गया। नागरिकों को योजना समझने में आसानी हो इसके लिए शहरी नियोजन विभाग के बाहर एक स्क्रीन प्रदर्शित की गई। निर्माण परमिट को कम समय में मंजूरी मिल जाए और इसमें पारदर्शिता रहे इसके लिए ऑनलाइन बिल्डिंग प्लान मैनेजमेंट सिस्टम शुरू किया गया। पुरानी फाइलों को वर्गीकृत किया गया तथा संपूर्ण रिकॉर्ड आईएसओ मानक के अनुरूप हो, इसके लिए रिकॉर्ड रूम को अपडेट किया गया। इसके बाद लोक सेवा अधिकार अधिनियम के अनुसार सभी प्रक्रियाएं संतोषजनक ढंग से शुरू की गईं। पहली बार नगर नियोजन विभाग के लिए सॉफ्टवेयर बनाया गया।

100 दिवसीय कार्ययोजना में मनपा को प्रथम तथा आयुक्त मनीषा अव्हाले को सर्वश्रेष्ठ आयुक्त घोषित करने से पहले एक सरकारी समिति ने उल्हासनगर मनपा की समीक्षा तथा सर्वेक्षण किया था। उस समय समिति ने नगर नियोजन विभाग द्वारा लाए गए परिवर्तन की सराहना की थी। इस बारे में पूछे जाने पर सहायक निदेशक नगर नियोजन ललित खोबरागड़े ने कहा कि आईएसओ प्रमाण पत्र मिलना टीम वर्क का परिणाम है। हमने आयुक्त मनीषा अव्हाले के मार्गदर्शन तथा निर्देशों का सही मायने में क्रियान्वयन किया है।

इसके लिए नगर नियोजक विकास बिरारी, कनिष्ठ अभियंता संजय पवार, अधिकारी पीयूष घरात, गणेश देवरे, किरण दुबे, दीपक कजानिया, हेमलता गावित, विद्या आढाल, अनिता हाताले सहित सभी कर्मचारियों ने देर रात तक काम किया। तथा आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्त किया। ललित खोबरागड़े ने बताया कि जब आयुक्त मनीषा आव्हाले ने सम्मान किया तो सभी अधिकारी और कर्मचारी खुश हुए।

कपड़ा डाइंग फैक्ट्री के गोदाम में भीषण आग

भिवंडी. शेलार ग्राम पंचायत क्षेत्र के नदीनाका इलाके में खेमीसती डाइंग एंड प्रोसेस कंपनी की दूसरी मंजिल पर भीषण आग लग गई. आग में दूसरी मंजिल पर रखा लाखों रुपए का कपड़ा स्टॉक जलकर खाक हो गया है.आग की सूचना मिलते ही भिवंडी अग्निशमन विभाग की दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई और निजी पानी के टैंकर की मदद से आग बुझाने के लिए सघन प्रयास शुरू कर दिए हैं.दमकल कर्मियों ने बताया है कि आग पर काबू पाने में 3 घंटे और लग सकते हैं. कंपनी में किसी भी जनहानि होने की सूचना नहीं मिली है.

अंबरनाथ मातोश्री नगर स्कूल की पुरानी इमारत को खाली करने का नोटिस

- नपा अतिक्रमण विभाग ने जारी किया नोटिस

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ विमको ओल्ड चाल में चल रही चाइल्डहुड फाउंडेशन स्कूल की पुरानी इमारत धोखादायक स्थिति में आ गई है. इमारत गिररकर जीवित हानि होने की आशंका है. इसमें शिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की जान को खतरा बढ़ गया है. नगर परिषद अतिक्रमण विभाग के अधिकारियों ने प्रत्यक्ष स्कूल इमारत का निरीक्षण करके स्कूल अध्यक्ष-सचिव को एक नोटिस देकर महाराष्ट्र नगर परिषद नगर पंचायती व औद्योगिक नगरी अधिनियम 1965 की धारा195 के अनुसार कार्रवाई करने का नोटिस दिया है. इस इमारत को तुरंत खाली करके पर्यायी व्यवस्था करने के लिए स्कूल अध्यक्ष से कहा गया है. जीवित व वित्त हानि नहीं होना चाहिए. इसकी दक्षता लेने के लिए कहा गया है. ये पुरानी स्कूल मातोश्री नगर विमको चाल में है. इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए समाज सेवक फिरोज खान ने बताया है कि बिल्डर ने स्कूल की पुरानी इमारत को देखते हुए एवं विद्यार्थियों को जीवित हानि ना हो इसके लिए बिल्डर की नई इमारत में ग्राउंड फ्लोर पर रूम तैयार करके स्कूल प्रशासन को देने की पूरी तैयारी मैं है. इस दरम्यान नगर परिषद अतिक्रमण विभाग ने पुरानी स्कूल इमारत को निष्कासित करने की पूरी तैयारी करके स्कूल अध्यक्ष को नोटिस भी जारी कर दिया है.

लोकल बोर्ड स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी

- इस डिजिटल स्कूल की तरफ बच्चों का आकर्षण बढ़ा
- जल्द होगा नए भवन का लोकार्पण

अंबरनाथ. अंबरनाथ नपा द्वारा संचालित डिजिटल स्कूल की तरफ बच्चों का एवं पालकों का आकर्षण बढ़ा है. इस स्कूल को पूर्व में लोकल बोर्ड स्कूल कहा जाता था. बाद में अंबरनाथ नगर परिषद के तहत इस स्कूल को संचालित करते हुए इसकी पुरानी जर्जर इमारत को तोड़कर एक दो मंजिला इमारत का निर्माण केवल 8 महिने के भीतर करके लोकल बोर्ड स्कूल को हाईटेक स्कूल बनाया गया है. अंबरनाथ नपा 17 स्कूलों को संचालित करता है. जिसमें से इस स्कूल नंबर एक में कक्षा एक से आठ तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या 97 थी, जो अब बढ़कर 150 हो गई है. यहां पर स्कूल नंबर 13 में विद्यार्थियों की संख्या 27 से बढ़कर 60 हो गई है. सीनियर और जूनियर केजी कक्षाओं में 40 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है. कक्षाओं में विभिन्न जानवरों, पक्षियों एवं अनेक रंग बिरंगे चित्र बनाए गए हैं. स्कूल को बहुत ही सुंदर बनाया गया है. स्वामी नगर में चल रही तमिल स्कूल भी इस इमारत में चलाई जाएगी. जिसमें विद्यार्थियों की संख्या 77 थी. पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुल शेख की देखरेख में 10 करोड़ रुपयों की लागत से नए स्कूल भवन का निर्माण केवल 8 महिने में किया गया है. उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, विधायक डॉ. बालाजी किणीकर एवं उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई निधि से स्कूल इमारत को हाईटेक बनाया गया है. उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद श्रीकांत शिंदे, विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ के हाथों स्कूल के नए भवन का लोकार्पण जल्द किया जाएगा. ऐसी जानकारी अब्दुल शेख ने दी है.

बच्ची से रेप के दोषी को 20 साल की सजा

ठाणे. जिले की एक अदालत ने 6 साल की बच्ची से बलात्कार के मामले में एक व्यक्ति को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. विशेष अदालत के न्यायाधीश डी.एस. देशमुख ने आरोपी अनवर बाबू शेख को पॉक्सो अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत दोषी पाया. अदालत ने उसे सजा सुनाने के साथ ही 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया. विशेष लोक अभियोजक संध्या एच. म्हात्रे ने अदालत को बताया कि छह अप्रैल 2022 को आरोपी पड़ोस में खेल रही बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया, जहां उसके साथ बलात्कार किया.

अंबरनाथ पूर्व के दो नालों की सफाई अब तक नहीं

- परिसर में बरसाती पानी भरने की आशंका
- भूमिपुत्र पार्टी ने जल्द नाला सफाई की मांग की

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व में हनुमान नगर और एएमपी गेट श्मशान भूमि के पीछे का नाला (वालधुनी नदी) में बड़े पैमाने पर कीचड़, गंदगी, कचरा जमा होने के कारण इस बारिश में स्थानीय नागरिकों के घरों में पानी घुसने एवं उनकी जान को धोखा हो गया है.

इस नाले की जल्द से जल्द सफाई की जाए. भूमिपुत्र पार्टी के अध्यक्ष चंद्रकांत मोटे ने अंबरनाथ नपा के मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ को निवेदन देकर सफाई की मांग की है. अंबरनाथ नगर परिषद द्वारा शहर में नाला सफाई पर 40 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं. अब तक इस नाले की सफाई ठेकेदार द्वारा नहीं किए जाने पर आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है. नाले में गंदगी के कारण परिसर में मच्छ, मक्खी बढ़ गए हैं. जिससे भयंकर रोग भी फैलने का अंदेशा है. ये नाला शहर के मुख्य नालों में से एक है. गंदगी और फैली बदबू से परिसर के निवासी भी परेशान हैं. मुख्याधिकारी से चंद्रकांत मोटे ने एवं परिसर के निवासियों ने भेंट करके हकीकत की जानकारी देने के बाद मुख्याधिकारी ने स्वच्छता विभाग को एवं ठेकेदार के बारे में जानकारी लेकर मोटे को आश्वासन दिया है कि एएमपी गेट एवं हनुमान नगर ेक नाले को साफ किया जाएगा. निवेदन देते समय मोटे के साथ परिसर की महिलाएं बारकुबाई मढवी, टीना सोनावणे, संध्या चव्हाण, मनिषा सकटे, सुनंदा बेडसे आदि उपस्थित थे.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

आग से बचाव के नाम पर मजाक

दिल्ली की घनी आबादी वाले इलाकों में आग से बचाव के इंतजाम पर सवाल तो पहले ही उठते रहे हैं, वहीं सरकारी इमारतों में पिछले दिनों जिस तरह की खामियां सामने आई हैं, वह चिंता का विषय है।

गर्मियों के मौसम में यहां हर वर्ष आग लगने की घटनाएं होती हैं, लेकिन इन्हें रोकने के लिए न तो समन्वित उपाय किए जाते हैं और न ही नागरिकों को जागरूक किया जाता है। जब सरकारी विभाग ही लापरवाही बरतेंगे, तो कई मंजिला भवनों और व्यावसायिक इमारतों में जान-माल की सुरक्षा की क्या ही उम्मीद की जा सकती है।

हाल ही में राजधानी की कई सरकारी इमारतें अग्नि सुरक्षा की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाईं। जांच के दौरान यही हाल सरकारी अस्पतालों में दिखा। क्या कोई इस तथ्य को गंभीरता से लेगा कि कुछ अस्पतालों और सरकारी भवनों को इसी आधार पर अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र जारी नहीं किए गए या उनका नवीनीकरण नहीं किया गया, क्योंकि उनमें आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम नहीं थे। ऐसा संभव नहीं कि इमारतों से संबंधित विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों को अपनी कमियां दूर करने के लिए आगाह न किया गया हो। फिर भी लापरवाही बरती जा रही है, तो इसे गंभीरता लिया जाना चाहिए।

दिल्ली के कुछ सरकारी भवन इतने पुराने हैं कि उनका मानकों पर खरा उतरना मुश्किल है। बावजूद इसके उन्हें अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलते रहे हैं, तो यह जांच का विषय होना चाहिए। लोकनायक अस्पताल में वैकल्पिक सीढ़ियां बंद पाई गई हैं। दुर्भाग्यवश कोई घटना होती है, तो इसकी गंभीरता को समझा जा सकता है। हैरत की बात है कि आंबेडकर अस्पताल में वैकल्पिक निकास को स्थायी रूप से बंद पाया गया, यह जानते हुए भी कि रोज बड़ी संख्या में मरीज यहां आते हैं। आखिर इस तरह की लापरवाही के लिए कौन जवाबदेह है?

दो वर्ष पहले राजधानी के एक नर्सिंग होम में आग लगने से छह नवजात शिशुओं की मौत हो गई थी। उस समय वहां अग्नि सुरक्षा उपायों में भारी कोताही पाई गई थी। आज भी अगर राजधानी में बड़े अस्पताल नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, तो समय रहते सरकार को कदम उठाना चाहिए।

भाषिक अंतर्विरोध से ग्रस्त भारत, राजनीति, विवाद और क्षेत्रीयता की कहानी

पिछले कुछ वर्षों से अपने देश में यह चलन बन गया है कि कोई भी नेता भाषा के बारे में कोई ऐसा बयान उछाल देता है, जिससे हलचल हो जाती है। कुछ दिन मीडिया मंचों से शोरगुल होने के बाद बात थोड़ी सी शांत होती है तो किसी और कोने से कोई और इसे उछाल देता है। तो फिर वही हाय-हाय, वही शोरगुल।

सबसे प्रखर हिंदी विरोध के स्वर तमिलनाडु से उभरते हैं और इसकी अनुगूंज कभी 'नम्मा कर्नाटका' से, कभी 'आमची मुंबई' से तो कभी कहीं और से आती रहती है। विरोध के स्वर कहीं उग्र, कहीं तेज तो कहीं उपद्रवी भी होते हैं। पिछले दिनों कर्नाटक में स्टेट बैंक की एक शाखा की हिंदी बोलने वाली अधिकारी और कन्नड़ बोलने वाले ग्राहक के बीच भाषा को लेकर विवाद हो गया। यह मामला शांत होता कि अभिनेता कमल हासन ने तमिल-कन्नड़ विवाद खड़ा कर दिया। इस पर उन्हें हाई कोर्ट से फटकार पड़ी।

आमची मुंबई में भी दल विशेष के कार्यकर्ता दुकान पर जाकर धमकाते हैं कि महाराष्ट्र में रहना है तो हिंदी नहीं, मराठी बोलो। इसके पीछे मुख्य रूप से होती है ऐसी राजनीति, जो भाषा को परस्पर समानता अथवा एकता का नहीं, वरन आपसी लड़ाई का औजार बनाती है। तमिलनाडु का हिंदी विरोध सबसे पुराना है, लेकिन यह भी साफ है कि उसने कभी त्रिभाषा सूत्र स्वीकार नहीं किया और बिना लाग-लपेट कहता रहा कि उसे हिंदी स्वीकार्य नहीं।

इसके पीछे निहित अनेक कारणों में से एक है तमिल

स्वाभिमान की अभिव्यक्ति और दूसरा हिंदी विरोध न करने पर राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ने का भय, क्योंकि 1967 से हिंदी विरोध के कारण ही वहां क्षेत्रीय दल सत्ता पर बने हैं, वह चाहे डीएमके हो या एआइएडीएमके। हिंदी विरोध के बहाने तमिल अस्मिता को बचाए रखने की बात आम वोटर के भीतर इतनी पैठ गई है कि अब अगर ये दल हिंदी विरोध समाप्त कर लें तो अपने वोट नहीं बचा सकते। तब गद्दी किसी अखिल भारतीय दल के हाथों में जा सकती है।

भारत में सूचना क्रांति के पदार्पण के बाद कर्नाटक, विशेषकर बेंगलुरु इलेक्ट्रानिक सिटी के रूप में उभरा है। यहां देश-विदेश से ऐसे लोग भी हैं, जिनके लिए एक से अधिक भाषाओं में बातचीत या संप्रेषण की कुशलता प्राप्त करना व्यावसायिक अनिवार्यता भी है। उनके लिए एक ऐसी संपर्क भाषा जरूरी हो जाती है, जो अधिकतर के समझ में आए। इसलिए अंग्रेजी के साथ हिंदी जरूरी हो जाती है। यह रोजगार और व्यवसाय की मांग के कारण हो रहा है। किसी राजनीतिक दबाव के कारण नहीं। लोग अपनी आवश्यकता के अनुसार हिंदी ही नहीं तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी भी सीखते हैं। देश की भाषाओं को लेकर सरकार की नीति भी स्पष्ट कभी नहीं दिखाई पड़ी।

आधी सदी से अधिक हुआ, हम त्रिभाषा सूत्र के पीछे पड़े हुए हैं। यह जानते हुए भी कि इसके परिणाम कभी अनुकूल नहीं रहे। वस्तुतः ईमानदारी से त्रिभाषा सूत्र कभी लागू ही नहीं किया गया, इसलिए सफल नहीं हुआ। इससे हमने सबक नहीं सीखे। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत फिर से तीन भाषाओं को सीखने-सिखाने की संस्तुति की गई है। अर्थात फिर वही ढाक के तीन पात। पहले यह विवेचन किया जाता कि तीन भाषाएं पढ़ने के नाम पर जो कुछ किया गया है, उसके परिणाम क्या रहे हैं। अचानक त्रिभाषा सूत्र की याद दिला देने से शंकालु राज्य अधिक शंकालु हो जाते हैं और ऐसे नारे उभरने लगते हैं-हिंदी थोपी जा रही है, हिंदी का साम्राज्यवाद नहीं चलेगा इत्यादि-इत्यादि।

देश में लगभग 424 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें से 22 भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची से विशेष मान्यता प्राप्त है। इस अनुसूची में स्थान पाने के लिए 30 से अधिक भाषाएं कतार में लगी हैं। इसमें भी राजनीति है। अनुसूची में आने का अर्थ है उस भाषा के लिए बजट अधिक हो जाना। अकादमियों, समितियों के अध्यक्ष के रूप में राजनीतिक नियुक्तियां और भी ऐसे ही प्रलोभन। चुनाव आने पर इसे ही भुनाया जाता है। इसी प्रकार शास्त्रीय भाषाओं के रूप में भी पहले चार भाषाएं स्वीकृत थीं। अब उनकी संख्या 11 पहुंच चुकी है। वहां भी ऐसे ही आकर्षण हैं। इसलिए अनेक भाषाएं शास्त्रीय भाषाएं बनने को आतुर हैं। शास्त्रीय भाषा कौन हो, इसकी पहचान के लिए भी नियमों में कम से कम तीन बार परिवर्तन किया जा चुका है और आश्चर्य नहीं कि आगे कोई भाषा शामिल करनी हो तो फिर परिवर्तन करें।

ध्यानाभ्यास,
यदि सही तरीके से किया जाए,
तो प्रयासरहित होता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

क्या उड़ान सुरक्षा मानकों पर फिर उठने लगे हैं सवाल?

अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास हुई भीषण विमान दुर्घटना ने देश को झकझोर दिया है। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद हुई इस दुर्घटना से जांचकर्ताओं और विमानन विशेषज्ञों के सामने कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। भारत में पिछले दशकों में कई हवाई दुर्घटनाएं देखी गई हैं। हरेक हादसे के बाद विमानन क्षेत्र में सुरक्षा के नए मानकों को लेकर मंथन हुआ है और जरूरी बदलाव किए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक छानबीन के तय मानक हैं और सुझावों को हर देश को मानना होता है। सवाल उठता है कि अहमदाबाद में क्या हुआ। हादसे के जो वीडियो सामने आए हैं, उनसे स्पष्ट है कि विमान उड़ते समय नीचे गिरा। अचानक विमान की बिजली ठप हो जाने से ऐसा होता है। इससे इंजन बंद हो जाते हैं, लेकिन इस बात की कम संभावना होती है कि किसी विमान के दोनों इंजन एक साथ बंद हो जाएं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस हादसे में एक बात खटकने वाली है। विमान के उड़ान भरते ही लैंडिंग गियर को ऊपर उठा दिया जाता है, लेकिन इसका लैंडिंग गियर नीचे था। संभव है कि पायलट को इंजन में खराबी का पता चला हो और उसने संभालने की कोशिश की हो।

दरअसल, विमान का उड़ान भरना

और उतरना उड़ान का सबसे खतरनाक चरण होता है। जब यह हादसा हुआ, तब विमान 625 फुट की ऊंचाई पर था, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या चालक दल किसी एक ही समस्या से निपट रहा था या एक साथ कई समस्याओं से। हादसे का शिकार हुआ विमान बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर था जो चौड़े आकार वाला और दो इंजन से लैस होता है। जब जांच होगी तो पहला सवाल यही पूछा जाएगा कि यह विमान उड़ान भरने के लिए सही ढंग से तैयार था या नहीं।

जेट विमानों में कई सहयोगी प्रणालियां होती हैं जिसमें केवल एक इंजन के साथ ऊपर चढ़ने की क्षमता भी शामिल होती है। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि एअर इंडिया के इस विमान ने कितनी उड़ानें पूरी की थीं। फ्लाइट रडार24 के आंकड़ों के मुताबिक, यह विमान एक दशक से भी ज्यादा पुराना था। बोइंग के ड्रीमलाइनर को लेकर अतीत में सुरक्षा संबंधी चिंताएं सामने आई थीं, लेकिन कभी दुर्घटना नहीं हुई थी।

भारतीय वायु क्षेत्र में पिछला बड़ा हादसा 2020 में हुआ था, जब एअर इंडिया एक्सप्रेस की सहायक कंपनी का एक यात्री विमान केरल में बारिश से भीगे रनवे पर फिसल गया और दो टुकड़ों में टूट गया। कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2010 में, एअर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान मैंगलोर में एक पहाड़ी रनवे से फिसल गया था। विमान में आग लग गई थी, जिसमें 150 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

यह वह दौर था, जब भारत के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र में सुरक्षा और व्यावसायिकता को लेकर कई स्तर पर लोग चिंतित थे। अब स्थिति सुधरने लगी थी और विमानन क्षेत्र ने करवट लेनी शुरू की थी। सरकार ने उड़ान समेत कई नई योजनाएं शुरू कीं। ऐसे में बड़े हादसे से समूची कवायद ठिठक जाएगी। उठे सवालों पर मंथन कर आगे बढ़ना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि झकझोर देने वाले इस हादसे से विमानन कंपनियों समेत तमाम पक्ष सबक लेंगे और सुरक्षा की सौ फीसद गारंटी दी जा सकेगी।

5 साल में आएंगे एआई से लैस नए इंसान!

जरा हट के

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में दुनिया में तरह तरह के दावे किये जा रहे है. कहा जा रहा है कि एक दिन ये इंसानों पर हावी हो जाएगी. कुछसालों में यह पूरी दुनिया को बदल देगी. इसके जरिए रोबोट और चैटबोट आदि पूरी दुनिया और मानवता पर भी हावी हो जाएंगे. पर क्या तकनीक इंसानों को भी बदल सकती है. अगर आजकल के ट्रेंड्स पर गौर करें तो यही लगता है कि इन तकनीकों से मानवता भी अछूती नहीं रह जाएगी. एक उद्योगपति का दावा है कि अगले पांच साल के भीतर ही दुनिया में एआई से लैस इंसान दिखने लगेंगे. उन्होंने भविष्य की वह तस्वीर भी दिखाई जो इन बदलावों से पूरी तरह से बदल जाएगी.

हरबर्ट सिम लंदन में न्यूरोचिप डॉट कॉम नाम की कंपनी चलाने वाले अरबपति व्यवसायी हैं. वे इंसानों और उन पर एआई के प्रयोगों पर गहरी रिसर्च कर रहे हैं. उनका दावा है

कि 5 साल में नए इंसान आएंगे. ये इंसान एआई से लैस होंगे. उनका कहना है कि टेक्नोलॉजी मानवता को बदल देगी. यह रिसर्च बीमारियों को हराने और लंबी उम्र जीने में मदद करेगी. रिसर्च में एक हेलमेट का इस्तेमाल किया जा रहा है. यह हेलमेट ब्रेनवेव्स को पढ़ता है. फिर इसे कंप्यूटर पर प्रोजेक्ट किया जाता है. कंप्यूटर इसे कार्य में बदलता है.

हरबर्ट का कहना है कि इस रिसर्च से सर्जरी की जरूरत नहीं होगी. उन्हें ब्रेन में चिप्स लगाने की जरूरत नहीं होगी. हरबर्ट 38 साल के हैं. वे खुद को फ्यूचरिस्ट कहते हैं. वे मानते हैं कि ये टेक्नोलॉजी जल्द ही रियलिटी बन जाएगी. हरबर्ट का कहना है कि ट्रांसह्यूमनिज्म टेक्नोलॉजी और साइंस से मानवता को पार करना है. मानवता अब एक मोड़ पर है. हमें टेक्नोलॉजी को अपनी जिंदगी में अपनाना होगा. यह हमारी लाइफस्टाइल को बेहतर बनाएगा. हरबर्ट का कहना है कि ट्रांसह्यूमनिज्म से हम 500 साल तक जी सकते हैं. यह सोचने वाली बात है कि हम क्या हासिल कर सकते हैं. लोग इसे फंतासी कहते हैं. लेकिन इसमें कुछ सच्चाई हो सकती है. हरबर्ट का कहना है कि दुनिया भर की संस्कृतियां ड्रैगन और मिथास किरदारों की तस्वीरें बनाती हैं.

पनीर एंड कॉर्न पापड़ रोल

खाना-खजाना

अगर आप शाम को लगने वाली छोटी-छोटी भूख के लिए कुछ हेल्दी ऑप्शन की तलाश कर रहे हैं, तो पनीर एंड कॉर्न पापड़ रोल है इसके लिए बेस्ट। जिसे बनाने में न बहुत ज्यादा मेहनत लगती है और न ही वक्त।

सामग्री :

- 5-6 मोटे व बड़े साइज के चना दाल पापड़
- 1/2 कप कॉर्न उबले हुए
- 1/2 कप पनीर क्यूब्स कटे
- 1 प्याज का स्लाइस
- 2 टमाटर स्लाइस किए हुए
- 1-2 सलाद के पत्ते
- 1 पीली शिमला मिर्च बारीक कटी
- 1/2 कप चीज कसा हुआ
- 2-3 बड़े चम्मच टोमैटो सॉस
- स्वादानुसार नमक व काली मिर्च
- 1 बड़ा चम्मच चिली गॉर्लिक सॉस
- 1/2 कप सोया ग्रेन्युल्स गरम पानी में भिगोकर निथारे व निचोड़े हुए
- 2 बड़े चम्मच तेल

विधि :

एक पैन में तेल गरम करें सोया ग्रेन्यूल्स डालें और नमक डालकर अच्छी तरह से फ्राई कर निकाल लें। बचे तेल में उबले कॉर्न, पनीर, शिमला मिर्च और प्याज को तेज आंच पर सॉते करके निकाल लें। पापड़ को गीला करें, बटर पेपर पर रखें। पापड़ के एक साइड में बटर लगाएं। फिर टमाटर सॉस की लेयर लगाएं। सलाद के पत्ते सेट करें। इसमें सॉते किया हुआ मिश्रण डालें। नमक, काली मिर्च व चीज बुरकें। चिली सॉस डालें और पापड़ को रोल करें और बांध लें। दो मिनट माइक्रोवेव करें। चेरी टमाटर या टमाटर के स्लाइस के साथ परोसें।

डायबिटीज महिलाओं के लिए अधिक घातक क्यों?

■ डॉक्टर से जानें किन बीमारियों का बनता है कारण

दुनियाभर में डायबिटीज से पीड़ितों की फेहरित लंबी है. ताउम्र साथ रहने वाली यह बीमारी हर उम्र के महिला-पुरुष को अपना शिकार बना रही है. इसकी जद में आते ही इंसान को तमाम गंभीर बीमारियों शिकार बनाने लगती हैं. वैसे तो डायबिटीज की गंभीरता सभी में देखी जाती है, लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट महिलाओं के लिए ये अधिक घातक बताते हैं. जी हां, महिलाओं में डायबिटीज हार्ट डिजीज, किडनी डिजीज, अंधापन, डिप्रेशन, यूटीआई और इंफर्टिलिटी की समस्याओं के हाई रिस्क में डाल सकती है. अब सवाल है कि डायबिटीज महिलाओं के कैसे घातक? किन बीमारियों का बढ़ता है खतरा? कैसे रखें शुगर लेवल मेंटेन? इस

बारे में News18 को बता रही हैं राजकीय मेडिकल कॉलेज कन्नौज की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. अमृता साहा-

■ यौन रोगों का सबसे अधिक जोखिम

डॉ. अमृता साहा के मुताबिक, डायबिटीज एक मेटाबॉलिक डिसऑडर है, जो हाई ब्लड शुगर लेवल के कारण होता है. डायबिटीज महिलाओं के ओवरऑल हेल्थ पर प्रभाव डालती है. इससे पीड़ित होने पर महिलाओं को वेजाइनल डिस्चार्ज, योनि में खुजली, दर्द, पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम, सेक्स ड्राइव में कमी और बार-बार पेशाब आने जैसे लक्षणों का अनुभव हो सकता है. यही नहीं, मासिक चक्र में बदलाव से पीरियड्स लंबे और हेवी भी हो सकते हैं. इसलिए, उनके लिए एक हेल्थ लाइफस्टाइल को मेंटेन करने और अपने शुगर कंट्रोल लेवल को मॉनीटर करना जरूरी हो जाता है.

■ प्रजनन अंगों को होता है नुकसान

डायबिटीज में महिलाओं में वेजाइनल ल्यूब्रिकेशन कम हो जाता है, जिससे उन्हें इंटरकोर्स के दौरान दर्द हो सकता है. टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज दोनों ही पीरियड्स की अनियमितताओं और कम प्रजनन दर के लिए जिम्मेदार हैं. दरअसल, डायबिटिक महिलाओं में संक्रमण और फैलोपियन ट्यूब जैसे प्रजनन अंगों को नुकसान होने का खतरा अधिक होता है.

■ हार्ट अटैक का भी बनता है खतरा

एक रिपोर्ट के मुताबिक, डायबिटीज से पीड़ित महिलाओं को भी दिल का दौरा पड़ने का खतरा अधिक होता है. इससे हार्ट अटैक का कारण भी बनता है. इसके अलावा, महिलाओं में डायबिटीज से अंधापन, गुर्दे की बीमारी और अवसाद जैसे लक्षण भी देखने को मिल सकते हैं.

■ ऐसे करें मेंटेन करें ब्लड शुगर लेवल

डाइटिशियन रितु त्रिवेदी के मुताबिक, आपकी हेल्दी डाइट शुगर लेवल को मेंटेन करने में कारगर हो सकती है. इसके लिए फाइबर से भरपूर खाना खाएं. अपने आहार में ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां और दाल शामिल करें. जितना संभव हो ऑयली, प्रोसेस्ड और डिब्बाबंद फूड आइटम्स से बचें. पैक्ड जूस, मिठाई, मिठाई, कोला और सोडा की जगह घर का बना ताजा जूस लेना चाहिए. ध्यान रखें कि वजन एक्सरसाइज और योग को जरूर करें. इससे वजन मेंटेन रहने के साथ डायबिटीज का जोखिम कम हो सकता है.

आज का राशिफल

मेष : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे।

वृषभ : डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन : कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें।

कर्क : तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे।

सिंह : चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कन्या : किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला : स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा।

वृश्चिक : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

धनु : विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

मकर : मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कुंभ : भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मीन : यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

महिलाओं के लिए फायदेमंद है ग्वार फली

ग्वार फली का नाम सुनते ही बच्चे हो या बड़े, अकसर नाक-मुंह बनाने लगते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं ये हरे रंग की बीन्स जैसी ये सब्जी आपकी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होती है। महिलाओं की सेहत के लिए तो ग्वार फली किसी वरदान से कम नहीं है। इसे खाने से उन्हें ढेरों फायदे मिलते हैं। ग्वार फली में प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम और विटामिन सी जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। जो वजन घटाने से लेकर शरीर में आयरन की कमी दूर करने तक में मदद कर सकते हैं। ग्वार फली को अंग्रेजी में क्लस्टर बीन्स के नाम से जाना जाता है। आइए जानते हैं आखिर ग्वार फली का सेवन सेहत को देता है क्या-क्या गजब के फायदे।

■ मोटापे से लेकर एनीमिया तक रखती है दूर

■ वेट लॉस

जो लोग वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं उनके लिए ग्वार फली एक अच्छा ऑप्शन हो सकती है। ग्वार फली में कैलोरी की मात्रा कम होती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

■ एनीमिया से बचाव

ग्वार फली में आयरन की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो रेड ब्लड सेल्स को बनने में मदद करती है। जिससे शरीर में खून की कमी नहीं होती।

■ गर्भावस्था में फायदेमंद

ग्वार की फली प्रेग्नेंसी में भी काफी फायदेमंद होती है। ग्वार फली में मौजूद आयरन और कैल्शियम गर्भवती महिलाओं में इन खनिजों की कमी को पूरा करने में मदद कर सकता है। यह सब्जी फोलिक एसिड से भरपूर होती है, जो भ्रूण को कई कॉम्प्लीकेशन्स से बचा सकती है। ग्वार फलियों में मौजूद विटामिन के हड्डियों के लिए फायदेमंद है और होने वाले बच्चे के बेहतर विकास में मदद करता है।

■ ब्लडप्रेशर

ग्वार फली में मौजूद हाइपोग्लाइसेमिक और हाइपोलिपिडेमिक गुण हाई ब्लडप्रेशर से पीड़ित लोगों के लिए एक अच्छा प्राकृतिक उपाय है। डायबिटीज और हृदय रोग वाले लोगों को हाई ब्लडप्रेशर का खतरा अधिक बना रहता है, ऐसे में ग्वार फली का सेवन उनकी सेहत को फायदा पहुंचा सकता है।

■ कमजोरी दूर करें

महिलाओं में अक्सर आयरन की कमी से शरीर में कमजोरी बनी रहती है। ऐसे में ग्वार की फली खाने से कमजोरी दूर होने के साथ हीमोग्लोबिन का लेवल भी अच्छा बना रहता है। ग्वार फली खून की कमी को दूर करके शरीर को हेल्दी बनाए रखती है। जिसके महिलाओं की थकान भी दूर होती है।

जल जाए हाथ, तो तुरंत इन तरीकों को अपनाएं

किचन में काम करते हुए अक्सर लापरवाही बरतने से समस्या हो सकती है। कई बार ऐसा होता है कि खाना बनाते समय तेल छलकर शरीर के किसी अंग पर गिर जाता है। कभी तवे से हाथ जल जाता है, तो कभी गर्म तेल से स्किन जल जाती है। ऐसे में अगर खाना बनाते समय आपका हाथ या शरीर का कोई अंग जल जाए तो इन तरीकों को फटाफट अपना लें।

■ बर्फ लगाएं

अगर आपका हाथ हल्का फुल्का जल गया है तो पहले ठंडे पानी से धोएं और तुरंत इस पर बर्फ लगाएं। जब आप जले हुए हिस्से पर बर्फ लगा लेते हैं तो घाव या जलन नहीं होता। इसके अलावा बर्फ लगाने से फफोले भी नहीं होते हैं और जलने के बाद दाग से बच सकते हैं।

■ सरसों का तेल और नमक

दादी-नानी के नुस्खे अक्सर खूब काम आते हैं। कहा जाता है कि अगर जले हुए हिस्से पर सरसों का तेल और नमक लगा लिया जाए तो फफोले नहीं होंगे। वहीं जले का निशान भी नहीं होगा।

■ एलोवेरा जेल

कहा जाता है कि एलोवेरा जेल एंटीसेप्टिक की तरह काम करता है और ठंडा भी होता है। ऐसे में जब आप जल जाएं तो तुरंत एलोवेरा जेल निकाल लें और इस बर्न एरिया में लगाएं। कुछ देर इसे ऐसे ही रहने दें और फिर ठंडे पानी से धो लें। कोशिश करें की आप फ्रिज में रखे एलोवेरा को जले पर लगाएं।

■ शहद लगाएं

शहद एंटीसेप्टिक की तरह काम करता है और ये स्किन में जलन को रोकता है। जब आप जले हुए हिस्से पर शहद लगाते हैं तो तुरंत इसे घाव बनने से रोक सकते है। इसे जले हुए हिस्से पर थोड़ी देर के लिए लगाकर छोड़ दें और फिर ठंडे पानी से धो लें।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

भांजे से ही दिल लगा बैठी मामी, कैश और गहने लेकर फरार हुए दोनों, मामा ने मांगा इंसाफ

बदायूं. बदायूं जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां उघैती थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला अपने ही भांजे के साथ फरार हो गई। पीड़ित युवक दिल्ली में मजदूरी करता है। उसने पुलिस को बताया कि उसकी 30 वर्षीय पत्नी 10 जून को दवा लेने के बहाने घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। बाद में पता चला कि उसका भांजा उसे लेकर फरार हो गया है। पीड़ित का कहना है कि उसकी पत्नी जाते समय घर से 30 हजार रुपये नकद और जेवर भी साथ ले गई है। पति का आरोप है कि जिस दिन पत्नी भागी, उस समय वह दिल्ली में काम कर रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही वह बदायूं लौटा और पत्नी की तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अंततः उसने उघैती थाने में पहुंचकर तहरीर दी।

कर्मचारी संघ के अध्यक्ष से साढ़े 4 लाख की लूट, पिस्टल दिखाकर छीनी चेन और अंगूठियां

जौनपुर. यूपी के जौनपुर में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। दरअसल लाइनबाजार थाना क्षेत्र के चांदमारी मोहल्ले में शनिवार की सुबह करीब पांच बजे मार्निंग वाक से लौट रहे वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह से पिस्टल सटाकर लूट हो गयी। घर से 40 मीटर पहले बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने गले से सोने की चेन और चार अंगूठी लेकर रेलवे लाइन की तरफ फरार हो गए। लूटे गए आभूषणों की कीमत चार लाख पचास हजार रुपये बताई जा रही है। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के यूपी सिंह कालोनी के रहने वाले व पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह रोज की तरह शनिवार को भी सुबह चार बजे घर से मॉर्निंग वॉक पर राम मनोहर लोहिया पार्क में गए थे। पुलिया के पास पहुंचे थे की घात लगाए बदमाशों ने उन्हें रोककर पिस्टल तान दी। दोनों बदमाशो ने पिस्टल सटाकर गले से सोने की चेन और उनके हाथ से चार अंगूठी निकलवा लिया। इसके बाद दोनों आरोपी बाइक से फरार हो गए।

दर्दनाक हादसा, ट्रक से टक्कर के बाद कार के उड़े परखच्चे, बीएसएफ जवान समेत 3 की मौत

यूपी के वाराणसी एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के कछवांरोड में ओवरब्रिज के पास कट के निकट ट्रक की टक्कर से कार डिवाइडर से टकरा गई। जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार बीएसएफ के जवान समेत तीन की मौत हो गई। एक अन्य गंभीर रूप से घायल है, जिसे बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। प्रयागराज के झूंसी से कार सवार वाराणसी की ओर आ रहे थे। कछवां रोड ओवरब्रिज के पास ट्रक की टक्कर से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर में जा टकराई और क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन अन्य घायलों को पुलिस ने बीएचयू ट्रामा सेंटर भेजवाया। वहां इलाज के दौरान दो अन्य घायलों की भी मौत हो गई। एक घायल का इलाज चल रहा है। आशंका है कि ओवरब्रिज के पास कट के निकट अचानक कार मोड़ने से हादसा हुआ है।

इजराइली हमले में 24 घंटे में 138 ईरानियों की मौत

- इजराइल ने 2 बार ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमला किया
- ईरान ने 150 मिसाइलें और 100 ड्रोन दागे

इजराइल और ईरान के बीच टकराव दूसरे दिन भी जारी है। पिछले 24 घंटे में ईरान में 138 लोग मारे गए हैं। इजराइल ने शुक्रवार रात 10:30 बजे दूसरी बार ईरान के परमाणु ठिकानों पर फाइटर प्लेन से हमले किए। इस हमले में 60 लोगों की मौत हो गई। जबकि 350 से ज्यादा लोग घायल हुए। इससे पहले ईरान में शुक्रवार सुबह 5:30 बजे हुए हमले में 78 लोग मारे गए थे। इनमें 6 परमाणु वैज्ञानिक और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स शामिल थे। ईरान ने शुक्रवार रात हमले के तुरंत बाद पलटवार किया और इजराइल की ओर 150 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। 6 मिसाइलें राजधानी तेल अवीव में गिरीं, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। 90 से ज्यादा लोग घायल हुए।

ईरान ने दावा किया है कि मिसाइल इजराइली रक्षा मंत्रालय पर भी गिरी। हालांकि अभी तक इजराइल ने इसकी पुष्टि नहीं की है। इजराइली PM बेंजामिन नेतन्याहू को सुरक्षित ठिकाने पर शिफ्ट कर दिया गया है।

और मिसाइलें दागीं तो तेहरान को जला देंगे, इजरायल की ईरान को खुली चेतावनी

इजरायल के रक्षा मंत्री ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर ईरान इजरायल पर मिसाइलें दागना जारी रखता है तो तेहरान को जला देंगे। ईरान के हमले में शनिवार की सुबह कम-से-कम तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। इजरायली सेना के चीफ ऑफ स्टाफ के साथ एक आकलन बैठक के बाद बोलते हुए, रक्षा मंत्री कैट्ज ने कहा कि ईरान को इजरायली नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

जिस फ्लैट में रुकी सोनम, उसका मालिक सामने आया

- इंदौर में कहा- विशाल के नाम से हुआ एग्रीमेंट

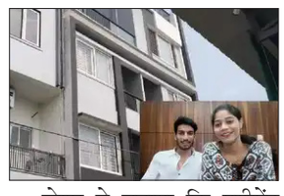

इंदौर. ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या करने के बाद पत्नी सोनम रघुवंशी इंदौर आई थी। वह यहां 26 मई से 7 जून तक रुकी थी। इस दौरान वह 26 से 29 मई तक स्कीम 114 में एक होटल में ठहरी थी। 30 मई से 7 जून तक इसी इलाके की एक बिल्डिंग में फ्लैट में रुकी। यह बिल्डिंग ग्वालियर निवासी लोकेंद्र सिंह तोमर की है।

इस बिल्डिंग को ठेके पर लेने वाले शिलाम जेम्स ने बताया कि यह फ्लैट विशाल चौहान ने अपने नाम से किराए पर लिया था। इसके लिए 30 मई को तीन महीने का किराया 51 हजार रुपए एडवांस दिया था। सोनम यहां आई या नहीं, मुझे इस बारे में मालूम नहीं।

जेम्स ने बताया कि एग्रीमेंट विशाल चौहान के नाम से करवाया था। हमने 17 हजार रुपए किराया बताया था। तब एग्रीमेंट की शर्त के अनुसार विशाल ने 29 मई की शाम करीब 7 बजे दो महीने का डिपॉजिट सहित एक महीने के एडवांस (कुल तीन माह) किराए के रूप में हमें 51 हजार रुपए दिए थे। बता दें कि 11 मई को शादी के बाद 21 मई को राजा-सोनम शिलॉन्ग पहुंचे थे। 23 मई को परिवार से आखिरी बार बात हुई थी। 2 जून को राजा का शव मिला था। 17 दिन से गायब सोनम 9 जून को गाजीपुर में मिली थी। इसके बाद ही हत्याकांड का खुलासा हुआ था।

घर में फंदे पर लटके मिले मां और दो बच्चे

- दोनों बच्चों के हाथ-पैर बंधे थे;
- बाजार से लौटे पिता ने शवों को उतारा

डिंडौरी. डिंडौरी में एक घर में मां और दो बच्चों के शव फंदे पर लटके मिले। पिता जब घर लौटे तब पता चला। बच्चों के हाथ-पैर बंधे थे। पिता ने उन्हें नीचे उतारा, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने घर सील कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना मेहदवानी थाना क्षेत्र के कुम्हारिन टोला में शुक्रवार रात की है। राजेंद्र प्रजापति गांव में फुल्की चाट का ठेला लगाता है। रात करीब 8 बजे जब वह काम से लौटा तो घर में टीवी चल रहा था। रोज की तरह सब कुछ सामान्य लग रहा था। कमरे में देखा तो पत्नी मधु प्रजापति (35), बेटी शिवानी (12) और बेटा आदित्य (10) फंदे पर झूल रहे थे।

पुलिस को सूचना दी गई। एएसआई सुनील पटेल ने बताया, एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वाड को जांच के लिए बुलाया गया है। घर के बाहर पुलिस बल तैनात है।

विमान हादसा- मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंचा

- 248 शवों की DNA जांच पूरी, 6 का मैच हुआ

अहमदाबाद. अहमदाबाद में विमान हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंचा गया है। मृतकों के शवों को रखने के लिए 100 ताबूत का ऑर्डर दिया गया। बड़ोदरा के शख्स ने बताया कि एअर इंडिया के मैनेजर ने फोन कर ताबूतों का ऑर्डर दिया।

इधर, अहमदाबाद सिविल अस्पताल के डिप्टी सिविल सुपरिटेंडेंट रजनीश पटेल ने शनिवार को कहा- अब तक 248 शवों का DNA सैंपल्स का क्रॉस वेरिफिकेशन हुआ है, जिसमें से 6 का DNA मैच हुआ है।

पटेल ने कहा कि पूर्णिमाबेन पटेल का शव उनके परिवार को सौंपा गया है। एक और परिवार को बॉडी हैंडओवर की प्रक्रिया जारी है। 8 घायलों इलाज का चल रहा है, इसमें एक की हालत गंभीर है।

वहीं, सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया- पहले दिन से हादसे की जांच जारी है। केंद्रीय गृह सचिव के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की गई है। जो 3 महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

इससे पहले बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से जब मलबा हटाया जा रहा था, तब विमान की टेल (पिछले हिस्से) में फंसा हुआ शव दिखा था। इसका पोस्टमॉर्टम हुआ है। कहा जा रहा है कि यह शव एयर होस्टेस का हो सकता है। सिविल अस्पताल में अब तक 270 से ज्यादा शवों का पोस्टमॉर्टम हो चुका है। इसके अलावा, 230 लोगों की DNA सैंपलिंग की जा चुकी है। 8 शवों की शिनाख्त हो गई है।

पायलट का आखिरी मैसेज सामने आया

अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामले में विमान के पायलट सुमित सभरवाल का एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (ATC) को भेजा गया आखिरी मैसेज सामने आया है। 4-5 सेकेंड के संदेश में सुमित कह रहे हैं, 'मेडे, मेडे... थ्रस्ट नहीं मिल रहा। पावर कम हो रही है, प्लेन उठ नहीं रहा। नहीं बचेंगे।'

2 विमान हादसे और 2 लोग बचे जीवित मगर सीट नंबर समान

थाईलैंड के सिंगर रुआंगसक लॉयचुस्क ने विमान हादसे से जुड़ा चौंकाने वाला किस्सा शेयर किया है। उन्होंने बताया कि साल 1998 में हुए घातक प्लेन एक्सीडेंट में वह जीवित बच गए थे, जिसमें 101 लोगों की मौत हुई थी। हैरानी की बात यह है कि वह उस समय सीट नंबर 11A पर बैठे थे। ये वही सीट नंबर है जो हाल ही में हुए एयर इंडिया हादसे के एकमात्र बचे व्यक्ति विश्वास कुमार की थी।

रुआंगसक लॉयचुस्क थाई एयरवेज की फ्लाइट TG261 में सवार थे, जो बैंकॉक से सूरत थानी एयरपोर्ट जा रही थी। लैंडिंग के दौरान विमान अनियंत्रित होकर दलदल में जा गिरा। इस हादसे में 132 यात्रियों और 14 चालक दल के सदस्यों में से 101 लोगों की मौत हो गई, जबकि 45 लोग घायल हुए थे। लॉयचुक्स इसे अपना दूसरा जीवन बताते हैं। उन्होंने उस भयावह अनुभव के बाद की मनोवैज्ञानिक परेशानियों को याद किया। उन्होंने कहा, 'हादसे के बाद 10 साल तक मुझे विमान में यात्रा करने में डर लगता था। मुझे सांस लेने में भी तकलीफ होती थी, भले ही हवा सामान्य गति से चल रही हो।'

थाई सिंगर ने कहा, 'मैं किसी से बात करने से बचता था और हमेशा खिड़की के बाहर देखता रहता था। मैं इतना डरने लगा था कि किसी को खिड़की को बंद करने नहीं देता था। अगर बाहर काले बादल या बारिश दिखाई देती, तो मुझे लगता था कि मैं नर्क में हूं।'

अंबाला में रिटायर्ड कमांडर बोले-विमान हादसे की वजह गलत कॉन्फिगरेशन

- कहा- सदी का सबसे दर्दनाक हादसा
- ब्लैक बॉक्स से होगा क्लियर
- 242 में केवल 1 जिंदा बचा

किसी ब्लॉकेज के कारण इंजन खराब हो सकता है

अहमदाबाद विमान हादसे पर हरियाणा के अंबाला में भारतीय वायुसेना से रिटायर्ड विंग कमांडर एस.डी. विज ने बताया कि विमान के दोनों इंजनों का एक साथ खराब होना बहुत ही दुर्लभ है।

उन्होंने उदाहरण दिया कि पहले भी ऐसी घटनाएं हुई थीं, जैसे 'मिरेकल ऑन द हडसन' अमेरिका का एक विमान पक्षियों से टकराकर अपने दोनों इंजन खो बैठा था, फिर भी उसने सुरक्षित लैंडिंग किया था।

दूसरा उदाहरण एयर ट्रान्साट फ्लाइट 236 का है, जहां ईंधन लीक होने की वजह से दोनों इंजन बंद हो गए थे, फिर भी विमान सुरक्षित उतर आया था।

गौरतलब है कि अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया बोइंग 787-8 ने 12 जून की दोपहर उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटना का शिकार हुआ था। इस विमान में 230 यात्री, 10 क्रू सदस्य और 2 पायलट थे।

मतलब कुल 242 लोगों ने सफर किया था। हादसे में केवल एक व्यक्ति जो सीट नंबर 11A पर बैठा था। सिर्फ वही यात्री जीवित बच पाया, जबकि बाकी सभी की मौत हो गई।

रिटायर्ड विंग कमांडर एस.डी. विज ने बताया कि इंजन खराब होने की वजह कोई रुकावट भी हो सकती है। उदाहरण के लिए, कूलेंट सिस्टम या तेल और ईंधन की पाइपें जाम होने से इंजन गरम होकर खराब हो सकता है या फिर दरारा आ सकती है।

टेक ऑफ के बाद विमान अधिक ऊंचाई तक नहीं पहुंच पाया था। उसने मुश्किल से 825 फीट की ऊंचाई ही हासिल किया था। इसका लैंडिंग गियर भी बाहर ही था। साथ ही, इंजन ने ताकत खो दी थी, जिसके कारण विमान एकाएक नीचे आ गिरा।

जेल में कैदी की मौत से हड़कंप

यूपी की एक जेल में कैदी की मौत के बाद हड़कंप मच गया। कैदी को मिर्गी का दौरा पड़ा था और इलाज के दौरान कैदी की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने परिजनों को जानकरी दी। बताया जा रहा है कि विचाराधीन कैदी की मिर्गी का दौड़ा पड़ने के बाद मौत हुई। युवक शाहजहांपुर के कलान के महानंद नगला का रहने वाला है। युवक का नाम मुकेश बताया जा रहा है जो बदांयू जेल में सजा काट रहा था। मुकेश 14 दिसंबर 2018 से बदायूं की जिला जेल में बंद था। उसे पहले भी मिर्गी के दौरे पड़े हैं। मुकेश को शनिवार को भी दौरा पड़ा जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

जानाकरी के अनुसार पास्को एक्ट में मुकेश को 20 साल की सजा हुई थी। इसके अलावा अन्य मुकदमों में भी मुकेश शामिल था। मुकेश पुत्र सौदान सिंह मिर्गी की बीमारी से ग्रस्त था। इसी कारण उसकी मौत हुई। मुकेश की मौत के बाद जेल में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू की।

बाउंड्री पर कैच पकड़ने के नियमों में बदलाव

- गेंद को एक बार ही हवा में उछाल सकेंगे
- अक्टूबर 2026 में MCC में शामिल

मेरीलेबोन क्रिकेट क्लब (MCC) ने बाउंड्री पर कैच पकड़ने के नियमों में बदलाव किए हैं। ये बाउंड्री से बाहर जाकर बॉल उछालने पर लिए जाने वाले कैच से संबंधित हैं। यह बदलाव मेलबर्न क्रिकेट क्लब (MCC) 2026 अक्टूबर 2026 से शामिल करेगा, जबकि ICC अगले महीने से इस नियम को शामिल कर लेगा। 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच होने वाले टेस्ट से यह नियम लागू हो जाएगा।

बाउंड्री के बाहर जाकर बॉल उछाली तो 2 कंडीशन रहेंगी

पहली- पहले कई मौकों पर बाउंड्री पर खड़े खिलाड़ी हवा में जा रही गेंद को एक बार बाउंड्री के अंदर रहते हुए उछाल देते थे, फिर बाउंड्री पार करके हवा में उछाल देते थे और बाउंड्री के अंदर आकर कैच ले लेते थे। अब इसे कैच नहीं माना जाएगा और बल्लेबाज को रन मिलेगा।

दूसरी- किसी खिलाड़ी ने बाउंड्री के बाहर जाकर हवा में उछलकर बॉल अंदर फेंकी, फिर दूसरे खिलाड़ी ने कैच किया तो यह तभी मान्य होगा जब बॉल उछालने वाला खिलाड़ी भी बाउंड्री के अंदर हो।

बिग बैश लीग में माइकल नेसेर के बाउंड्री कैच पर उठा था सवाल

2023 में बिग बैश लीग (BBL) में माइकल नेसेर ने बाउंड्री पर एक कैच पकड़ा था, जिस पर सवाल उठे थे। इसके बाद ही ICC ने मेलबर्न क्रिकेट क्लब (MCC) को कैच के नियमों की समीक्षा करने के लिए कहा था। नेसेर के कैच के बारे में बताते हुए MCC ने कहा कि फील्डर ने बाउंड्री के अंदर कैच पूरा करने से पहले रबनी हॉपर किया। बनी हॉप मतलब जब कोई खिलाड़ी बाउंड्री के बाहर जाने के बाद हवा में उछलकर गेंद को अंदर फेंककर कैच पकड़ता है। हालांकि, यह नियम के मुताबिक था, लेकिन नोट में कहा गया कि ऐसा लगा कि हकीकत में फील्डर ने बाउंड्री के काफी बाहर जाकर गेंद का उछाला और फिर कैच लिया था।

हरियाणा में शराब ठेकेदार की 7 गोलियां मारकर हत्या

कुरुक्षेत्र. हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के शाहबाद कस्बे में शुक्रवार रात करीब 8 बजे शराब ठेकेदार की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। वह अपनी कार से चंडीगढ़ जा रहे थे और सिगरेट पीने के लिए मीना मार्केट में रुके थे। तभी वहां पर दो बाइक सवार बदमाश आए और उन्होंने ठेकेदार पर पिस्टल से 8 राउंड फायर किए, जिसमें से 7 गोलियां उन्हें लगी। गोलियां लगने के बाद ठेकेदार को मोहड़ी के आदेश अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक सोनीपत का रहने वाला था और शाहबाद में शराब ठेके की जिम्मेदारी संभाल रहा था। हमले के बाद बदमाश बाइक छोड़कर मौके से फरार हो गए। इस फायरिंग की घटना से अफरा-तफरी का माहौल हो गया। घटना की सूचना पाकर SP नितीश अग्रवाल, शाहाबाद DSP राजकुमार, CIA की दोनों टीम और शाहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची.

आम सूचना

मैं श्रीमती कशिश रवि मंगलानी सभी को सूचित कर रही हूं कि पोर्शन ऑफ रुम नं. 2, बैरक नं. 1626, सेक्शन 28, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 47सीआय018779700) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती मोना झामनदास प्रितवानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 13.6.2025 सी.नं. 497 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती कशिश रवि मंगलानी

आम सूचना

मैं श्रीमती अनिता प्रभाकर क्षीरसाठ सभी को सूचित कर रही हूं कि भैयासाहेब आंबेडकर नगर, खेमानी रोड, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 19बीओ016364500) उक्त प्रॉपर्टी श्री पुंडलिक रामजी क्षीरसाठ के नाम पर है। उनसे रिलीज एग्रीमेंट दि. 11.1.2024 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती अनिता प्रभाकर क्षीरसाठ

JASLOK HOSPITAL
A lifetime of care

Dr. Dodwani's GUN-GEET HOSPITAL & POLYCLINIC

लीवर केयर ओपीडी

जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर टीम द्वारा
अब उल्हासनगर में

डॉ. पूजा पुंजानी, डॉ. श्रीनिवास देसाई, डॉ. प्रवीण अग्रवाल, डॉ. आभा नागराल, डॉ. शैलेश साबले, डॉ. चंदर लुल्ला, डॉ. सावी कपिला, डॉ. अश्विनी देशपांडे, डॉ. आनंद भाभोर, डॉ. श्रुति टंडन, डॉ. इंद्रनील राउत, डॉ. अजय झवेरी, डॉ. विवेक शेट्टी, डॉ. निखिल कोंडे, डॉ. मोहित रोहरा, डॉ. रितु काशीकर, डॉ. चंद्रेश कर्णावत, डॉ. पिनांक पंड्या

पश्चिमी भारत की अग्रणी लिवर प्रत्यारोपण टीम

ओपीडी:
डॉ. मानेक कुटर
कंसल्टेंट हेपेटोलॉजी

अगर आप इन समस्याओं से परेशान हैं, तो हमारे विशेषज्ञ से अवश्य मिलें:

- पीलिया
- फैटी लिवर रोग
- शराब से संबंधित लिवर रोग
- वायरल हेपेटाइटिस
- वेस्कुलर लिवर डिज़ीज़
- लिवर सिरोसिस
- बचपन में लिवर रोग
- गर्भावस्था में लिवर रोग
- लिवर कैंसर
- वायरल हेपेटाइटिस (हेपेटाइटिस A, B, C, E)

ओपीडी दिन: हर महीने के पहले और तीसरे बुधवार
दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक

गुन-गीत हॉस्पिटल, गांधी रोड, उल्हासनगर-5, मुंबई, महाराष्ट्र 421005
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें:
8169283162 / 0251-2534733 / 9623240240

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

क्लाउड किचन में एसी कंप्रेसर ब्लास्ट होने से एक की मौत 4 ज़ख़्मी

मुंबई. मुंबई के माहिम में स्थित क्लाउड किचन में शाम तकरीबन 6 बजे गस सिलेंडर ब्लास्ट होने की वजह से एक की मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए ।

बताया जा रहा है कि एसी कंप्रेसर में जोरदार विस्फोट होने से आग लगी, जिसमें एक जन की जलने से मौत भी हो गई है। पुलिस और दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। साथ ही आग में फंसे अन्य लोगों को भी बचाने में कामयाब रहे हैं।

तुर्भे कंपनी में गैस रिसाव !

- 25 महिला कर्मचारी बेहोश, 27 अन्य प्रभावित

नवी मुंबई. तुर्भे एमआईडीसी क्षेत्र में अंबेडकर नगर के पास औद्योगिक क्षेत्र स्थित डी-326 में शुक्रवार सुबह एक गंभीर घटना घटी। काम पर मौजूद महिला कर्मचारियों को अचानक सांस लेने में दिक्कत होने लगी। उन्हें सिर में दर्द होने लगा। कुछ ही देर में 20 से 25 महिला कर्मचारी बेहोश हो गईं। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि यूनिट में इस्तेमाल होने वाली कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) गैस लीक हुई है। इस जहरीली गैस से कुल 27 लोग प्रभावित हुए हैं और उन्हें तुरंत वाशी के एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से ज्यादातर महिला कर्मचारी हैं और कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इस घटना के बाद तुर्भे एमआईडीसी क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय पुलिस, दमकल और आपातकालीन प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची। संबंधित कंपनी से तुरंत काम बंद कराया गया और सभी कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। एजेंसियों ने गैस रिसाव के मुख्य स्रोत का पता लगाने और उसे नियंत्रित करने के लिए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है। नवी मुंबई महानगरपालिका और औद्योगिक सुरक्षा विभाग ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति की समीक्षा की है। तुर्भे एमआईडीसी पुलिस स्टेशन और आपदा प्रबंधन एजेंसी के अधिकारी अलर्ट पर हैं। स्थानीय विधायक और नगरसेवक भी अस्पताल पहुंचे और घायल श्रमिकों से मिले। उन्होंने मदद का आश्वासन भी दिया है।

प्रारंभिक अनुमान लगाया जा रहा है कि कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का रिसाव हुआ था। अनुमान लगाया जा रहा है कि कंपनी में एक मशीन में अत्यधिक तापमान के कारण रिसाव हुआ था। गैस रिसाव का कारण बनने वाली मशीन की जांच चल रही है। औद्योगिक सुरक्षा विभाग ने पूरी इकाई का ऑडिट करने का आदेश दिया है। साथ ही गैस रिसाव का मुख्य कारण पता लगाया जा रहा है। यह जानकारी ली जा रही है कि कंपनी ने कोई गलती तो नहीं की है।

नवी मुंबई वाशी एमजीएम अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार अधिकांश मरीज बेहोशी की हालत में या चक्कर, सिरदर्द और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के साथ आए थे। कुछ मरीजों को ऑक्सीजन पर रखा गया है। उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। तुर्भे एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। संबंधित कंपनी पर तुर्भे औद्योगिक सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया जा सकता है। इस बीच सभी मरीजों की हालत स्थिर हो रही है, लेकिन कुछ अभी भी निगरानी में हैं।

शिवाजी नगर में भीषण सड़क हादसा, 3 की मौत

मुंबई. गोवंडी के शिवाजी नगर क्षेत्र में शनिवार शाम एक दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना हुई। घाटकोपर-मानखुर्द लिंक रोड पर शिवाजी नगर सिग्नल के पास एक तेज़ रफ्तार डंपर ने सड़क पार कर रहे चार लोगों को कुचल दिया।

तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल है और उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश फैल गया। नाराज भीड़ ने तुरंत घटनास्थल पर पुलिस को घेर लिया, जिससे इलाके में तनावपूर्ण माहौल बन गया। गुस्साए लोगों ने घाटकोपर-मानखुर्द लिंक रोड को अवरुद्ध कर दिया, जिससे दोनों ओर भारी ट्रैफिक जाम लग गया। स्थानीय प्रशासन मौके पर मौजूद है और स्थिति पर नियंत्रण पाने की कोशिश कर रहा है। इस दुखद घटना ने एक बार फिर शहर में सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

न्याय पाने वाले नागरिकों ने विधायक संजय केलकर का किया अभिनंदन

ठाणे. वसई के एक किसान को परियोजना के लिए कृषि भूमि अधिग्रहण कराने के बावजूद मुआवजा नहीं मिलने की समस्या का समाधान करने के लिए विधायक संजय केलकर ने तुरंत संबंधित अधिकारियों को फोन किया।ठाणे के भीमनगर के निवासियों को एसआरए परियोजना को क्लस्टर से बाहर करने के लिए मजबूर किया गया और उन्होंने केलकर का अभिनंदन करके अपना आभार व्यक्त किया।जनसेवक जनसंवाद कार्यक्रम को नागरिकों का भारी समर्थन मिल रहा है और ठाणे और आसपास के शहरों के नागरिक भी समस्याएं लेकर आ रहे हैं। अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। आज न्याय पाने वाले नागरिकों ने विधायक संजय केलकर का अभिनंदन किया और उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर परिवहन सदस्य विकास पाटिल, पूर्व उप महापौर सुभाष काले, सचिन पाटिल, दीपक जाधव, राजेश गाडे खोपट कार्यालय में उपस्थित थे। खोपट स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित जनसंवाद में वसई के एक किसान ने विधायक संजय केलकर से मुलाकात कर अपनी पीड़ा बताई। उन्होंने शिकायत की कि एक परियोजना में कृषि भूमि अधिग्रहित की गई थी, लेकिन मुआवजा देने में देरी हो रही है।विधायक केलकर ने तत्काल संबंधित राजस्व अधिकारी से फोन पर चर्चा की। इस समय संबंधित अधिकारी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसान को मुआवजा देने की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू की जाएगी। लंबित मुद्दे को तुरंत हल करने के लिए किसान ने केलकर का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में ठाणे के भीमनगर के नागरिक मौजूद थे और उन्होंने विधायक संजय केलकर का अभिनंदन और आभार व्यक्त किया।

रिंग रूट मेट्रो परियोजना को मिलेगी गति

- कार्य के प्रथम चरण के लिए 1400 करोड़ की निविदा अंतिम चरण में
- उपमुख्यमंत्री शिंदे ने ठाणेकरों से की मुलाकात
- कार्य का भूमिपूजन जल्द होगा
- सांसद नरेश म्हास्के की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न

ठाणे. ठाणेकरों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने और उनका समय बचाने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के प्रयासों से केंद्र और राज्य सरकार ने रिंग रेलवे मेट्रो के कार्य को मंजूरी दी है। मेट्रो परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए ठाणे लोकसभा सांसद नरेश म्हास्के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मेट्रो परियोजना के काम को गति देने के लिए सांसद नरेश म्हास्के ने आज मेट्रो परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। सांसद नरेश म्हस्के ने बताया कि बैठक में रिंग रेलवे मेट्रो परियोजना को वर्ष 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। ठाणे के बढ़ते विस्तार को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे के लोगों को यातायात की भीड़ से राहत दिलाने के लिए रिंग रेलवे मेट्रो के काम की आधारशिला रखी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तुरंत इस परियोजना को मंजूरी दी और पर्याप्त धनराशि मंजूर की। हाल ही में दिल्ली में आयोजित शहरी विकास और आवास संबंधी स्थायी समिति की बैठक में नरेश म्हस्के ने काम में तेजी लाने का मुद्दा उठाया था। आज सांसद नरेश म्हस्के ने रिंग रेलवे मेट्रो परियोजना के परियोजना निदेशक राजीव त्यागी, मुख्य परियोजना अधिकारी सुनील कुमार गर्ग, प्रबंधक प्रवीण पापोलकर के साथ काम की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक की और परियोजना पर विस्तार से चर्चा की।तमाम सुझाव के साथ ही कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। 12,200 करोड़ रुपये की मंजूरी वाली यह रिंग रेलवे मेट्रो परियोजना 29 किमी लंबी है। 3 किमी अंडरग्राउंड यह रेलवे चलेगी। इसके ट्रैक को अंतिम रूप दे दिया गया है। कुल 22 स्टेशन एलिवेटेड होंगे और 2 स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे। भूमिगत स्टेशन पुराने ठाणे रेलवे स्टेशन और नए ठाणे रेलवे स्टेशन को जोड़ेंगे। भूमिगत रेलवे परियोजना के बारे में नागरिकों के बीच कुछ गलतफहमियां थीं। आज की बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि भूमिगत रेलवे किसी भी इमारत या निर्माण को कोई बाधा या समस्या नहीं पहुंचाएगी। पहले चरण में रायलदेवी से बालकुम नाका तक 20 किमी लंबे काम के लिए 1400 करोड़ रुपये की निविदा मंजूरी के अंतिम चरण में पहुंच गई है यह सांसद नरेश म्हस्के ने बताया। रिंग रेलवे मेट्रो परियोजना में वागले एस्टेट, रोड नंबर 22, लोकमान्य नगर, पोखरण रोड नंबर 1, पोखरण रोड नंबर 2, ग्लेडिस अल्वारिस रोड, हीरानंदानी मीडोज, हीरानंदानी एस्टेट, कोलशेत, बालकुम, राबोडी, ठाणे कॉलेज रोड, ठाणे स्टेशन शामिल हैं। सीआरजेड की समस्याओं के कारण बालकुम नाका से रायलदेवी मार्ग के लिए टेंडर 3 महीने बाद जारी होगा। वडवली, कावेसर में रिंग रेलवे मेट्रो परियोजना के डिपो का सर्वेक्षण चल रहा है। लोगों की कुछ शिकायतें हैं और उन्हें दूर करने के बाद डिपो निर्माण कार्य के लिए टेंडर अंतिम चरण में है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रिंग रेलवे मेट्रो के स्टेशनों को आधुनिक और आयनिक बनाने के निर्देश दिए हैं। इन स्टेशनों को बनाने की योजना बनाई जा रही है।

ठाणे मनपा क्षेत्र में 16 जून से 31 जुलाई तक 'दस्त रोको' अभियान चलाया जाएगा

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत 16 जून से 31 जुलाई तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा दस्त रोको अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से 0 से 5 वर्ष तक के दस्त से प्रभावित बच्चों को ओआरएस पैकेट और जिंक की गोलियां वितरित की जाएंगी। साथ ही आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य केंद्रों से ओआरएस मिश्रण तैयार करने और हाथ धोने का प्रदर्शन भी किया जाएगा। साथ ही संस्थागत स्तर पर ओआरएस कॉर्नर स्थापित किए जाएंगे, निर्जलीकरण से प्रभावित रोगियों का इलाज किया जाएगा और दस्त के कोई भी लक्षण पाए जाने पर मनपा ने नागरिकों से निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की है।व्यक्तिगत और पर्यावरणीय स्वच्छता की कमी से दस्त पैदा करने वाले कीटाणु और दस्त फैलते हैं। खुले में शौच करना, खुले में खाना खाना, दैनिक जीवन में गंदे पानी का उपयोग करना, खाने से पहले और बाद में साफ पानी और साबुन से हाथ न धोना जैसी आदतें दस्त के प्रकोप का कारण हैं। दस्त के उपचार के लिए, ओआरएस घोल तैयार करके बच्चे को देने से शरीर में निर्जलीकरण की मात्रा कम होती है नमक की कमी भी पूरी होती है। 15 दिनों तक जिंक की गोलियां देने से दस्त की आवृत्ति कम होती है और दस्त जल्दी ठीक होता है। अगर बच्चे को दस्त या दस्त होने पर माँ स्तनपान करा रही है तो स्तनपान जारी हल्का भोजन, सफाई, खुद के हाथों को बार-बार साबुन से धोना चाहिए यह मनपा ने नागरिकों से आवाहन किया है।डायरिया से बचाव के लिए व्यक्तिगत और पर्यावरण स्वच्छता बहुत जरूरी है और इसके लिए खुले में शौच से बचना चाहिए, पानी को उबालकर और छानकर या क्लोरीन का इस्तेमाल करके कीटाणुरहित करना चाहिए और आसपास के क्षेत्र को साफ रखना चाहिए।मनपा स्वास्थ्य विभाग ने डायरिया के लक्षण पाए जाने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की है।

ड्रग तस्कर ताहिर सलीम डोला को यूएई से लाने में CBI सफल

मुंबई. केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) एक ड्रग तस्कर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से प्रत्यर्पित कर लाने में सफल रहा है। ताहिर सलीम डोला नामक ड्रग तस्कर को मुंबई पुलिस की तलाश थी। इसके खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि डोला को दुबई से उड़ान संख्या एआई-984 से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर लाया गया। डोला पर महाराष्ट्र के सांगली में नशीले पदार्थों की फैक्टरी संचालित करने का आरोप है।

फैक्टरी पर पुलिस के छापे के दौरान 25.22 लाख रुपये मूल्य की 126.141 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स जब्त की गई थी। वह विदेश से ही फैक्टरी संचालित करता था। बाद में उसके यूएई में होने का पता चला था।

नवी मुंबई मनपा के CBSE स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी

- सोमवार से शुरू होंगे स्कूल

नवी मुंबई. नवी मुंबई मनपा के सीबीएसई स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया आज पूरी हो गई है और सोमवार से स्कूल शुरू किए जाने की जानकारी शिक्षा विभाग की उपायुक्त संघरत्ना खिल्लारे ने दी। सीवुड और कोपरखैराने में मनपा के सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों में प्रवेश ड्रा निकाला गया। सीवुड के स्कूल में 182 सीटों के लिए कुल 800 आवेदन प्राप्त हुए थे। जबकि कोपरखैराने के स्कूल में 131 सीटों के लिए 600 आवेदन प्राप्त हुए थे।बच्चों के हाथों से नाम निकाले गए और ड्रा की घोषणा की गई। कोपरखैराने और सीवुड के स्कूलों में यह सार्वजनिक ड्रा निकाला गया। इस ड्रा को पारदर्शी बनाने के लिए अभिभावकों को भी बुलाया गया था। साथ ही ड्रा को ऑनलाइन देखने की सुविधा भी दी गई थी।

जिन छात्रों ने पहले से आवेदन किया था, उनके दस्तावेजों की जांच की गई। इसलिए उन सभी छात्रों के नाम ड्रा में घोषित किए गए हैं। स्कूल में प्रवेश की पुष्टि हो गई है। तदनुसार, उनके नामों की सूची स्कूल के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी। सीबीएससी बोर्ड के इस स्कूल में छात्रों को मुफ्त शिक्षा के साथ-साथ मुफ्त शिक्षण सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी।

बिपाशा बसु ने बॉडी-शेमिंग करने वालों को दिया जवाब

- मीम्स-ट्रोल्स से मेरी पहचान नहीं
- बस महिलाओं को तारीफ और सम्मान मिलना चाहिए

बिपाशा बसु को उनके बढ़ते वजन के कारण सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया। अब एक्ट्रेस ने बॉडी-शेमिंग को लेकर लगातार हो रही ट्रोलिंग पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे बुरे और दिल दुखाने वाले कमेंट्स से उनकी पहचान या उनकी खुद की अहमियत तय नहीं होती।

दरअसल, बिपाशा बसु ने साल 2022 में बेटी देवी को जन्म दिया था। मां बनने के बाद से ही एक्ट्रेस के बढ़ते वजन के कारण उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच पूर्व मिस इंडिया श्वेता विजय नायर ने बिपाशा को सपोर्ट किया और कहा कि कैसे एक मां को फिजिकली और इमोशनली चीजों को हैंडल करना पड़ता है। इस पोस्ट पर बिपाशा ने भी रिएक्ट किया।

उन्होंने कहा, थैंक्यू आपके शब्दों के लिए। मैं उम्मीद करती हूं कि लोग हमेशा इतने छोटे और नीचे सोच वाले न रहें। वो समझें और मानें कि महिलाएं हर दिन बहुत सी जिम्मेदारियां निभाती हैं, इसलिए उन्हें तारीफ और सम्मान मिलना चाहिए। मैं एक बेहद आत्मविश्वासी महिला हूं, जिसे एक समझदार और प्यार करने वाला साथी और परिवार मिला है।

मीम्स और ट्रोल्स न तो मेरी पहचान बनाते हैं और न ही उन्होंने मुझे वो बनाया जो मैं हूं। लेकिन ये सब समाज की महिलाओं के प्रति सोच का एक बहुत ही चिंताजनक रूप दिखाते हैं। मेरी जगह अगर कोई और महिला होती, तो इतनी नफरत और कटाक्ष से गहरे जख्म खा सकती थी और मानसिक रूप से टूट सकती थी। अगर हमारी आवाज और मजबूत हो जाए और कम से कम महिलाएं ही एक-दूसरे को समझें और जैसा वे हैं, उसके लिए तारीफ करें तो महिलाएं आगे बढ़ती जाएंगी।

सिविल अस्पताल में विश्व रक्तदान दिवस का भव्य आयोजन

ठाणे. रक्तदान सर्वश्रेष्ठ दान है। आपके रक्त की एक बोतल किसी की जान बचा सकती है चाहे वह आम नागरिक हो या देश की सीमा पर तैनात सैनिक जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार ने कहा। रक्तदान सिर्फ जरूरतमंदों के लिए नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रतिबद्धता है।हर साल 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर मुख्य उद्देश्य रक्तदान के सामाजिक और चिकित्सीय महत्व पर जोर देना है, साथ ही नियमित और स्वैच्छिक रक्तदाताओं को प्रेरित करना है। ठाणे सिविल अस्पताल के ब्लड बैंक विभाग की पहल पर एक छोटा सा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मार्गदर्शन देते हुए डॉ. कैलाश पवार ने कहा रक्त किसी प्रयोगशाला में तैयार किया गया पदार्थ नहीं है। दुर्घटना के शिकार, प्रसूति काल में महिलाओं, कैंसर या थैलेसीमिया के रोगियों को रक्त की सख्त जरूरत होती है। ऐसे समय में समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नियमित और जिम्मेदारी से रक्तदान करना बहुत जरूरी है। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महांगड़े, डॉ. निशिकांत रोकाड़े, डॉ. गिरीश चौधरी, डॉ. श्रीजीत शिंदे, डॉ. विलास सालवी आदि उपस्थित थे।ठाणे सिविल अस्पताल में विभिन्न रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और नागरिक अस्पताल में आकर स्वेच्छा से रक्तदान कर रहे हैं।

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

महाराष्ट्र शासन
सा. बां. (आदिवासी) विभाग, ठाणे
ई-निविदा सूचना प्रसिध्दी क्रं. 8 सन-2025-26

कार्यकारी अभियंता, सा.बां. (आदिवासी) विभाग, ठाणे दुरध्वनी क्र. 022-25410046 हे ई-निविदाव्दारे (ऑनलाईन) खालील कामांकरीता बी-1 नमुन्यातील निविदा महाराष्ट्र शासनाकडील आदिवासी विकास विभागाकडील नोंदणीकृत विदयुत / सिव्हिल वर्गातील कंत्राटदार यांचेकडून मागवित आहे.

अ. क्र.	कामाचे नाव	निविदा रक्कम (अ+ब) (रु.लक्ष)	कंत्राटदाराचा वर्ग
1.	पळसुंडे ता.जव्हार जि. पालघर येथील शासकीय आदिवासी आश्रमशाळेचे आदर्श शाळेत रुपांतरीत करणे. (बहुउद्देशीय हॉल व प्रयोगशाळेस अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	42,60,671/-	वर्ग-अ
2.	विनवळ ता. जव्हार जि. पालघर येथील शासकीय आदिवासी आश्रमशाळेचे आदर्श शाळेत रुपांतरीत करणे. (बहुउद्देशीय हॉल व प्रयोगशाळेस अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	42,60,671/-	वर्ग-अ
3.	शासकीय आश्रमशाळा टेंभे ता. शहापूर जि. ठाणे येथील मुलीचे वसतीगृह इमारत बांधकाम करणे. (अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	46,56,234/-	वर्ग-अ
4.	शासकीय आश्रमशाळा आंबीवली ता. शहापूर जि. ठाणे येथील मुलींचे वसतीगृह इमारत बांधकाम करणे. (अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	51,63,846	वर्ग-अ
5.	शासकीय आश्रमशाळा आंबीवली ता. शहापूर जि. ठाणे येथील शालेय इमारत बांधकाम करणे. (अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	46,56,234/-	वर्ग-अ
6.	शासकीय आश्रमशाळा खडडी ता. शहापूर जि. ठाणे येथील मुलींचे वसतीगृह इमारत बांधकाम करणे. (अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	46,56,234/-	वर्ग-अ
7.	शासकीय आश्रमशाळा मढ ता. मुरबाड जि.ठाणे येथील मुलींचे वसतीगृह इमारत बांधकाम करणे. (अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	51,63,846/-	वर्ग-अ
8.	सोमतवाडी ता. जुन्नर येथील शासकीय आदिवासी आश्रमशाळेचे आदर्श शाळेत रुपांतरीत करणे. (बहुउद्देशीय हॉल व प्रयोगशाळेस अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	42,60,671/-	वर्ग-अ
9.	खटकाळे ता. जुन्नर येथील शासकीय आदिवासी आश्रमशाळेचे आदर्श शाळेत रुपांतरीत करणे. (बहुउद्देशीय हॉल व प्रयोगशाळेस अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	42,60,671/-	वर्ग-अ
10.	शासकीय आश्रमशाळा शेणवे ता. शहापूर जि. ठाणे येथील शालेय इमारत बांधकाम करणे. (अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	32,79,150/-	वर्ग-अ
11.	शासकीय आश्रमशाळा ओझर ता. जव्हार पालघर येथील मुलींचे वसतीगृह इमारत बांधकाम करणे. (अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	51,63,846/-	वर्ग-अ
12.	शासकीय आश्रमशाळा चिबीपाडा ता. भिवंडी जि. ठाणे येथील शालेय इमारत बांधकाम करणे. (अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	51,63,846/-	वर्ग-अ
13.	शासकीय आश्रमशाळा पिवळी ता. शहापूर जि. ठाणे येथील मुलींचे वसतीगृह इमारत बांधकाम करणे. (अंतर्गत विदयुतीकरण करणे)	51,63,846/-	वर्ग-अ
14.	शासकीय आश्रमशाळा बुधावली ता. वाडा जि. पालघर येथील शालेय इमारतीस विदयुतीकरण, सी.सी.टीव्ही, फायर फायटींग व फायर अलार्म सिस्टीमचे कामे करणे.	41,28,314/-	वर्ग-अ
15.	शासकीय आश्रमशाळा सुर्यमाळ ता. मोखाडा जि. पालघर येथे सुशोभिकरण करणे.	19,55,319/-	वर्ग-5 अ व त्या वरील
16.	शासकीय आश्रमशाळा घानवळ ता. मोखाडा जि. पालघर येथे सुशोभिकरण करणे.	25,77,349/-	वर्ग-5 अ व त्या वरील
17.	शासकीय आश्रमशाळा ओझर ता. जव्हार जि. पालघर येथे अंतर्गत रस्ता करणे.		

निविदा डाऊनलोड करण्याचा दि.16/06/2025 ते दि.23/06/2025 पर्यंत. ई-निविदा उघडण्याचा दि.25/06/2025 सर्व पात्र / इच्छुक निविदाकारांनी निविदापत्रक डाऊनलोड करण्यासाठी व निविदा प्रक्रियेत भाग घेण्यासाठी ई निविदा प्रणालीच्या http://mahatenders.gov.in या पोर्टलवर enrolled करणे आवश्यक आहे. सदर कामांची ई-निविदा कोणतेही कारण न देता रद्द करण्याचा अधिकार सक्षम अधिकारी यांनी राखून ठेवलेले आहेत.

जा.क्र.साबां (आ) विठा/ठाणे/निविदा/क्रं.8/
सा.बां. (आदिवासी) विभाग, ठाणे
पार्किंग प्लाझा बिल्डिंग, वा मजला 9
ज्यूपिटर हॉस्पीटल जवळ (.प) ठाणे, पूर्व द्रुतगती मार्ग, 4006011
ईमेल पत्ता :- eepwdtribalthane@gmail.com
दिनांक :- /06/2025

सही/-
कार्यकारी अभियंता,
सा.बां. (आदिवासी) विभाग, ठाणे

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099